RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 343
दि. 16.04.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी की लोगों से नौ संकल्प लेने की अपील, विकसित भारत के लिए रखा लक्ष्य

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोगों से जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, स्वास्थ्य और सेवा से संबंधित नौ सामूहिक संकल्प लेने की अपील की, ताकि विकसित कर्नाटक और विकसित भारत का सपना साकार हो सके।

मांड्या के आदिचुनचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि यदि हम ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इन नौ संकल्पों पर आगे बढ़ें, तो हम तेजी से विकसित भारत की ओर बढ़ सकते हैं।

यह मंदिर वोक्कालिगा समुदाय द्वारा पूजनीय मठ के 71वें पीठाधीश्वर बालगंगाधरनाथ महास्वामी को समर्पित एक स्मारक है।

कर्नाटक में पीएम मोदी का संबोधन

पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के साथ 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्र' नामक एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

पीएम ने अपने संबोधन में कहा, 'मैं अक्सर कहता हूं कि कर्नाटक तत्व-ज्ञान (दार्शनिक ज्ञान) और तंत्र-ज्ञान (तकनीकी ज्ञान) दोनों में समृद्ध है। यानी यहां दर्शन की गहराई और प्रौद्योगिकी की शक्ति दोनों मौजूद

राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को लगाया फोन, ईरान और होर्मुज पर 40 मिनट तक हुई चर्चा

40 मिनट की फोन कॉल में ट्रंप का ढट मोदी को बड़ा मैसेज- 'मैं बस आपको बताना चाहता हूं कि...'

(जीएनएस)।

हॉर्मुज की नाकेबंदी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच करीब 40 मिनट तक बातचीत हुई. इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बात हुई है, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर के बाद पहली बातचीत है. इस फोनकॉल के आखिर में ट्रंप ने पीएम मोदी से कहा, 'मैं बस आपको बताना चाहता हूं कि हम सभी आपसे प्यार करते हैं यह बातचीत करीब 40 मिनट तक चली और इस साल दोनों नेताओं के बीच तीसरी बार बात हुई.

अमेरिकी दूत सर्जियो गोर ने बताया कि इस बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के रिश्तों में हुई प्रगति पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ दिनों और हफ्तों में दोनों देशों के बीच कई बड़े समझौते हो सकते हैं, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में. फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी को मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी. प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि उन्होंने अपने दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप से बात की और दोनों देशों के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में हुए अच्छे कामों की समीक्षा की. उन्होंने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

पीएम मोदी से बातचीत में किस चीज पर हुई चर्चा?

पीएम मोदी ने बताया कि बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा हुई और दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुला और सुरक्षित रहना चाहिए. यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बहुत अहम है, खासकर तेल की सप्लाई के लिए. यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री हाल ही में अमेरिका का तीन दिन का दौरा पूरा करके लौटे हैं. साथ ही, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले महीने भारत आने वाले हैं, जहां वे विदेश मंत्री एस जयशंकर और अन्य अधिकारियों के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे.

डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के बीच कितनी बार हुई बात?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मोदी इस साल तीन बार बात कर चुके हैं. इससे पहले 2 फरवरी को दोनों नेताओं ने व्यापार समझौते में हुई प्रगति पर चर्चा की थी, जबकि 24 मार्च को उन्होंने मध्य पूर्व के हालात पर बात की थी.. इसी बीच ट्रंप ने यह भी कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर से शुरू हो सकती है और यह अगले दो दिनों में हो सकती है. उन्होंने बताया कि बातचीत की जगह पाकिस्तान ही रहेगी.

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक का दौरा किया, श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया और अपनी यात्रा की झलकियां साझा कीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कर्नाटक यात्रा की झलकियां साझा कीं। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने

कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित श्री आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पवित्र स्थल देश की शाश्वत आध्यात्मिक भावना तथा सेवा एवं ज्ञान की अटूट परंपराओं के प्रति श्रद्धांजलि है। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री ने ज्वाला पीठ का भी दौरा किया और श्री कालभैरव मंदिर में पूजा-अर्चना की। श्री मोदी ने जगद्गुरु परमपूज्य श्री श्री श्री डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

'भारत को तय करना है', अमेरिका-ईरान के बीच शांति-वार्ता में भारत की भूमिका पर बोले अमेरिकी राजदूत

प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 40 मिनट फोन पर बात की। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इसे सकारात्मक बताया।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच आज मंगलवार को फोन कॉल पर करीब 40 मिनट तक बातचीत हुई। भारत-अमेरिका की इस बातचीत के बाद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का बयान भी सामने आया है।

राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बातचीत के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी के इसी पोस्ट पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी रिएक्ट किया। सर्जियो गोर ने पीएम मोदी और ट्रंप की बातचीत को बहुत ही सकारात्मक और सार्थक बताया।

गोर ने कहा, 'अमेरिका उनकी भागीदारी का स्वागत करेगा, ठीक वैसे ही जैसे उसने कई दूसरे देशों की भागीदारी का स्वागत किया है।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत को खुद तय करना होगा कि वह क्या करना चाहता है।

गोर ने आगे कहा, 'सच कहूं तो यह भारत के लिए एक सवाल है, मुझे लगता है कि पूरी दुनिया शांति प्रक्रिया में भूमिका निभा सकती है और इसमें भारत भी शामिल है।'

भारत-अमेरिका के बीच होने वाली है बड़ी डील

भारत-अमेरिका के बीच भविष्य में होने वाली डील को लेकर गोर ने कहा, 'हमारे पास कई बड़े और अहम मुद्दे हैं और संकेत दिया कि व्यापार और द्विपक्षीय मुद्दों पर कुछ घोषणाएं कुछ ही दिनों में हो सकती हैं, लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि उन घोषणाओं में क्या शामिल होगा।'

लखनऊ में भीषण आग का तांडव; 200 से ज्यादा झुग्गी-झोपड़ियां जलीं, सीएम योगी से लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हुए एक्टिव

लखनऊ के विकास नगर इलाके में बुधवार शाम लगी भीषण आग ने तबाही मचा दी, जिसमें 200 से अधिक झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। आग इतनी विकराल थी कि इसका काला धुआं कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया, जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई।

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में बुधवार शाम भीषण आग लग गई, जिससे 200 से ज्यादा झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों के अनुसार दोपहर बाद रिंग रोड के पास एक खाली भूखंड में झोपड़ियों में आग लग गयी तथा काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। उन्होंने कहा कि जिस इलाके में आग लगी, उसके पास होटल और विभिन्न ऑटोमोबाइल शोरूम भी हैं।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, "आग पर काबू

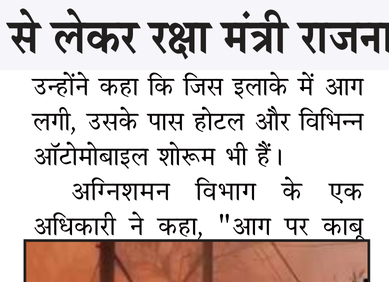

पाने के लिए दमकल की कम से कम 10 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घरों के अंदर रखे छोटे रसोई गैस सिलेंडरों में बार-बार विस्फोट होने से अभियान मुश्किल हो गया था।" अधिकारियों के अनुसार आग में दर्जनों गरीब परिवारों का सामान जलकर राख हो गया। अधिकारियों ने कहा कि शुरूआती आकलन में किसी की जान जाने या गंभीर चोट लगने की सूचना नहीं है। स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी राहत प्रयासों में समन्वय के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

अधिकारी ने कहा, "प्राथमिक ध्यान आग को पास के वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और आवासीय कॉलोनियों में फैलने से रोकना था। आग अब काफी हद तक नियंत्रण में है।" उन्होंने कहा कि आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि इस घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

लखनऊ में भीषण आग की घटना को लेकर राजनाथ सिंह ने जिलाधिकारी से बात की

लखनऊ, 15 अप्रैल (भाषा) रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां विकास नगर के टेढ़ी पुलिया इलाके में झुग्गी बस्ती में लगी भीषण आग के संबंध में जिलाधिकारी से बात की और बचाव एवं राहत कार्यों में

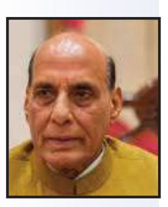

तेजी लाने के निर्देश दिए। विकास नगर क्षेत्र में बुधवार शाम लगी भीषण आग में 200 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लखनऊ इकाई के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी से बातचीत की और घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए स्थानीय प्रशासन को बचाव एवं राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पीएम मोदी को पहनाई माला फिर जोड़े हाथ... एयरपोर्ट पर कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने किया तगड़ा वेलकम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्नाटक दौरे पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सभी को चौंका दिया। सिद्धारमैया ने पीएम मोदी के मांड्या दौरे पर जाने से पहले एचएएल एयरपोर्ट पर खुद मौजूद रहे। उन्होंने पीएम मोदी का काफी गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी ने सिद्धारमैया के कान में कुछ कहा भी। इसके बाद सिद्धारमैया खिलखिला हंस पड़े।

(जीएनएस)।

बेंगलुरुः दक्षिण राज्य कर्नाटक के दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सिद्धारमैया ने पीएम मोदी को अपने हाथों से माला पहनाई और फिर हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसके बाद पीएम मोदी से उनकी कुछ बातचीत भी हुई। कर्नाटक में सिद्धारमैया कांग्रेस सरकार की अगुवाई कर रहे हैं। पीएम मोदी भी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के स्वागत से अभिभूत दिखे। उन्होंने सिद्धारमैया से प्रसन्नता के साथ बातचीत भी की। गौरतलब हो कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पूर्व में केंद्र में पीएम मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने काफी हमले करते आए हैं। उन्होंने टैक्स का पूरा रुपया नहीं मिलने पर दिल्ली में प्रदर्शन तक किया था। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने स्वागत की तस्वीरों को खुद अपने अकाउंट से साझा भी किया है।

श्रीगुरु भैरवैक्य मंदिर का किया उद्घाटन

पीएम मोदी ने बेंगलुरु पहुंचने के बाद मांड्या जिले में स्थित श्रीक्षेत्र आदिचुंचनगिरी में बुधवार को श्रीगुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने काल भैरव मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना भी की तथा ऐतिहासिक ज्वालापीठ में समय बिताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मेरा मन ऐसे भावों से भरा है, जिन्हें शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। इस पवित्र स्थल पर बिताया गया हर पल, संतों का सानिध्य और जनसमूह का आशीर्वाद उनके लिए जीवनभर यादगार रहेगा। उन्होंने इसे अपना सौभाग्य बताया कि उन्हें इस पावन अवसर पर यहां आने का मौका मिला और सभी को शुभकामनाएं दीं।

भारत हजारों वर्षों से एक जीवंत सभ्यता रहा है। दुनिया में बहुत कम ऐसे उदाहरण मिलते हैं, जहां परंपराएं इतनी लंबे समय तक लगातार बनी रही हों। श्री आदिचुंचनगिरी मठ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह मठ करीब 2000 वर्षों की परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रमाण है। इसकी गुरु परंपरा, आध्यात्मिक दर्शन और सेवा की भावना ने पीढ़ियों तक इस भूमि को समृद्ध किया है। नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'आयुष्मान भारत' योजना का किया जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों गरीबों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। उन्होंने बताया कि इस योजना का दायरा बढ़ाकर 70 साल से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भी इसमें शामिल किया गया है, ताकि उन्हें सम्मान के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। पीएम मोदी ने मोटापे से बचने के लिए खाने में तेल की मात्रा 10 प्रतिशत कम करने का सुझाव दिया। पीएम मोदी ने यूं तो अपने कर्नाटक के दौरे में कोई राजनीति टिप्पणी नहीं की लेकिन सिद्धारमैया के गर्मजोशी से स्वागत करने के बाद तस्वीरें सुर्खियों में आ गई हैं। सिद्धारमैया कर्नाटक के मैसूर जिले से आते हैं। सिद्धारमैया कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बाद भी सीएम की कुर्सी पर डटे हुए हैं।

सिद्धारमैया के वेलकम पर छिड़ी चर्चा

सिद्धारमैया ने पीएम मोदी का स्वागत करके उन्होंने न सिर्फ राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया है बल्कि चर्चा हो रही है कि पीएम मोदी के आखिर गर्मजोशी भरे स्वागत के बाद सिद्धारमैया के कान में क्या कहा? इस मौके पर कर्नाटक के राजस्व मंत्री और चीफ सेक्रेटरी शालिनी रजनीश भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने पीएम मोदी को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा। उन्होंने 18 लंबित परियोजनाओं पर केंद्र सरकार से तत्काल ध्यान देने की मांग की। इस मौके पर पीएम मोदी और सीएम सिद्दारमैया के बीच गतजब की केमेस्ट्री देखने को मिली। पीएम मोदी ने सिद्दारमैया के कानों में कुछ ऐसी बात कही कि वे खुलकर हंस पड़े। ये तस्वीरें ऐसे वक्त पर सामने आई हैं जब दो दिन पहले पीएम मोदी ने खुद नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से बातचीत की थी।

सिद्धरमैया ने पीएम को ज्ञापन सौंप आरक्षण सहित 18 मुद्दों पर हस्तक्षेप का अनुरोध किया

बेंगलुरु, (जीएनएस)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 18 मुद्दों पर हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राज्य की 56 प्रतिशत आरक्षण नीति को संवैधानिक संरक्षण देने और घाटा अनुदान जारी करने की मांग भी शामिल है।

सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य की योजनाओं को मंजूरी और धन जारी करने में केंद्र सरकार की ओर से बार-बार होने वाली देरी से व्यवस्थागत भेदभाव की धारणा पैदा हुई है।

मुख्यमंत्री ने संविधान की नौवीं अनुसूची में कर्नाटक के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति(एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए 56 प्रतिशत आरक्षण संबंधी कानून को शामिल करने और एसटी की केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)की कुछ जातियों को शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की।

उन्होंने राजस्व घाटा अनुदान, बेंगलुरु को विशेष अनुदान जारी करने और मेकेदातु परियोजना को मंजूरी देने सहित अन्य पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के मुताबिक मांड्या जिले के आदिचुंचनगिरि जाने के लिए प्रधानमंत्री शहर के एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंचे थे और उसी समय मुख्यमंत्री ने उन्हें ज्ञापन सौंपा।

सिद्धरमैया ने मोदी को लिखे पत्र में कहा, "कर्नाटक ने हमेशा जिम्मेदारी और दूरदर्शिता के साथ भारत के विकास में योगदान देने में गर्व महसूस किया है। हालांकि, मंजूरी और धन जारी करने में बार-बार होने वाली देरी ने प्रणालीगत असमानता की धारणा पैदा की है। इन चिंताओं को

दूर करने से सच्चे सहकारी संघवाद की भावना मजबूत होगी और भारत के विकास के लिए हमारी साझा दृष्टि मजबूत होगी।"

उन्होंने कहा, "कर्नाटक के लोग इन मुद्दों के समाधान में आपके हस्तक्षेप की आशा करते हैं। मुझे भरोसा है कि केंद्र सरकार कर्नाटक को भारत के समावेशी और सतत विकास में परिवर्तनकारी भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी।"

सिद्धरमैया ने कहा, "हमारा राज्य प्रगतिशील और समावेशी भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है और सहकारी संघवाद के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।"

उन्होंने कहा, हालांकि कर्नाटक राष्ट्रीय खजाने में सबसे बड़ा योगदान देने वालों में से एक है तथा आर्थिक और सामाजिक विकास में अग्रणी है, कुछ लंबे समय से लंबित मुद्दों पर केंद्र सरकार को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि रेल बजट में घोषित कोलार रेलवे कोच फैक्टरी के लिए राज्य द्वारा 1,123 एकड़ भूमि की पेशकश के बावजूद इसे अमली जामा नहीं पहनाया गया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को पुनर्जीवित करने से पिछड़े कोलार क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

सिद्धरमैया ने कहा कि प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में बेंगलुरु-मैसूरु खंड को शामिल करना संतुलित क्षेत्रीय विकास और संपर्क बढ़ाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सम्मानपूर्वक केंद्र सरकार से बेंगलुरु उपनगरीय रेल परियोजना के लिए प्रतिबद्ध केंद्रीय सहायता जारी करने में तेजी लाने और कित्तूर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के प्रमुख जिलों को जोड़ने वाले बेंगलुरु-मुंबई हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर शुरू करने का आग्रह करता है।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत सुरक्षित पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 17,554 करोड़ रुपये के लंबित केंद्रीय अंश को जारी करने की मांग की।

सिद्धरमैया ने कहा कि ग्राम पंचायतों को 15वें वित्त आयोग के तहत अनुदान जारी करने की सभी शर्तें पूरी करने के बावजूद कर्नाटक को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,860 करोड़ रुपये का अनुदान आंवटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, "ग्रामीण बुनियादी ढांचे और आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए समय पर राशि का आंवटन महत्वपूर्ण है।"

मुख्यमंत्री ने इसी के साथ प्रधानमंत्री मोदी को सौंपे ज्ञापन में लंबित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, राजस्व घाटा के मद में 5495 करोड़ रुपये जारी करने, बेंगलुरु जल संकट के समाधान के लिए मेकेदातु परियोजना और लंबित सिंचाई परियोजनाओं का मुद्दा भी उठाया।

लखनऊ मंडल के 187 श्रमिक परिवारों की बेटियों के हाथ हुए पीले, 85 हजार की मिली आर्थिक मदद, श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की

लखनऊ में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा "कन्या विवाह सहायता योजना" के तहत भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया

लखनऊ में 187 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को ₹85,000 की आर्थिक सहायता मिली।

श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

(जीएनएस)।

लखनऊ। योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का एक उत्कृष्ट उदाहरण मंगलवार को लखनऊ में देखने को मिला, जब उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा ह्लकन्या विवाह सहायता योजनाह्व के अंतर्गत लखनऊ मंडल का भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। अवध शिल्पग्राम में आयोजित इस कार्यक्रम में लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी,

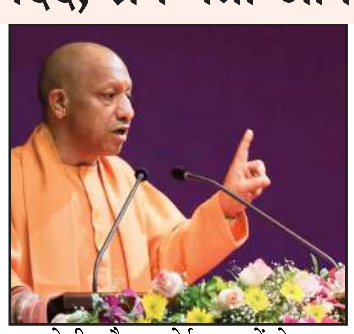

रायबरेली और हरदोई जनपदों के कुल 187 जोड़ों (176 हिन्दू एवं 11 मुस्लिम) का विधिवत विवाह सम्पन्न कराया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने की। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जहां अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार श्रमिक कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ह्लकन्या विवाह सहायता योजनाह्व आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का सशक्त माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से न केवल आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, बल्कि श्रमिक परिवारों को सम्मानजनक सामाजिक सहयोग भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए पुष्प वर्षा की गई, जिससे माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण बन गया। कार्यक्रम की सांस्कृतिक गरिमा को बढ़ाते हुए अंबेडकर नगर के कलाकारों द्वारा पारंपरिक विवाह गीत प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा। वहीं सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह की प्रतिनिधि द्वारा नवविवाहित जोड़ों को वस्त्र एवं ₹501 का उपहार प्रदान किया गया।

अब बिना आईडी कार्ड के आपके घर नहीं आएंगे लखनऊ नगर निगम के कर्मी

(जीएनएस)।

नगर निगम में महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सदन की बैठक विकास, स्वच्छता और जनहित से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। सदन की शुरूआत होते ही पार्षदों ने सफाई व्यवस्था को लेकर हंगामा किया।

लखनऊ (ब्यूरो)। नगर निगम में महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सदन की बैठक विकास, स्वच्छता और जनहित से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। सदन की शुरूआत होते ही पार्षदों ने सफाई व्यवस्था को लेकर हंगामा किया। अपनी बात रखने का मौका न मिलने से नाराज तीन पार्षद सदन से वॉकआउट कर गए। सदन में देर से आने पर महापौर ने सफाई कंपनी के मालिक पर नाराजगी जाहिर की।

शहर के सभी विकसित पार्कों में सोलर लाइट लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर क्षेत्र में सभी ट्रांसफर स्टेशनों के निर्माण कार्य को 30 अप्रैल तक पूरा करने का प्रस्ताव पास किया गया।

टैक्स वसूली के निर्देश

महापौर ने टैक्स इंस्पेक्टरों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी प्राइवेट व्यक्ति के माध्यम से टैक्स वसूली न कराई जाए। जो भी कर्मचारी बिल वितरण या टैक्स वसूली के लिए घर-घर जाएगा, वह अनिवार्य रूप से अपना पहचान पत्र पहनकर जाए। बिना आईडी कार्ड के यदि कोई व्यक्ति नागरिकों के घर जाता पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शहर के सभी स्कूल भवनों का 15 मई तक पुनर्मूल्यांकन कराने का प्रस्ताव भी सदन द्वारा पारित किया गया। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। सदन में सरकारी भूमि से जुड़े मामलों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। दीनदयाल उपाध्याय सेवा न्यास से संबंधित भूमि वापसी का प्रस्ताव पारित किया गया। यह भूमि गाटा संख्या 196, क्षेत्रफल 5429.96 वर्ग मीटर है, जिसे पूर्व में लगभग 90 वर्षों के लिए दीनदयाल उपाध्याय सेवा न्यास को लीज पर आवंटित किया गया था। यह आवंटन तत्कालीन नियमों और शर्तों के तहत किया गया था, जिसे न्यास द्वारा नगर निगम को स्वेच्छा से वापस कर दिया गया।

अवैध कब्जों पर अभियान

अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही अतिक्रमण से मुक्त जमीनों पर कल्याण मंडप और सामुदायिक केंद्र बनाने की मंजूरी सदन ने दी है।

50 प्रतिशत फीस माफ

सदन में सेंट जोसेफ विद्यालय समूह, द्वारा नगर निगम के स्थायी कर्मचारियों के बच्चों के लिए ट्यूशन फीस में 50 प्रतिशत छूट देने के प्रस्ताव को पास किया गया। इस निर्णय से कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

सफाई व्यवस्था में सुधार

गत माह में आई गिरावट पर चिंता जताते हुए संबंधित कार्यदाई संस्था की जवाबदेही तय करने का प्रस्ताव पारित किया गया। महापौर ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि वो अपनी संस्था में 75 प्रतिशत कर्मचारी लोकल स्तर पर भर्ती करें।

10 शासनादेश किए गए पारित

बैठक में 10 शासनादेश पारित किए गए। जिनमें सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़क निर्माण, सीवरेज एवं जल निकासी, पार्क विकास, तालाब संरक्षण तथा पशु आश्रय जैसे विषय शामिल रहे। सदन में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। इसमें भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड, इग्नू रोड क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख मार्गों के निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही गोल मार्केट से कपूरथला चौराहा और रजनीखंड क्षेत्र में भी सड़क विकास कार्यों के लिए धनराशि की किश्तें स्वीकृत की गई।

सीवरेज परियोजनाओं को मंजूरी

शहर में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु कई सीवरेज और जल निकासी परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। लोहिया नगर, विकास नगर और भवानीगंज वार्ड क्षेत्र में नालों के निर्माण एवं कवरिंग के कार्य को मंजूरी दी गई। इसके अलावा अमौसी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में भूमिगत पाइप द्वारा नाला निर्माण कार्य को भी स्वीकृति दी गई।

तालाब और नदी संरक्षण पर विशेष ध्यान

बैठक में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए तालाबों के सौंदर्यीकरण और संरक्षण से जुड़े प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। आलमनगर वार्ड स्थित घोबीघाट तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य तथा कुकरेल नदी के डिसिल्टिंग कार्य के लिए धनराशि स्वीकृत की गई। ग्राम नटकुर के अंतर्गत विभिन्न खसरा नंबरों पर पार्क निर्माण और मियावाकी पद्धति से हरित क्षेत्र विकसित करने का निर्णय लिया गया।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे तैयार; मिनटों में पूरी होगी घंटों की दूरी, इस डेट को पीएम मोदी कर सकते हैं लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसका लोकार्पण करने का समय मांगा.गया,

लखनऊः राजधानी लखनऊ और औद्योगिक शहर कानपुर के बीच यातायात को क्रांति लाने वाला बहुप्रतीक्षित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे अब पूरी तरह तैयार है. ठलक्षअक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसका लोकार्पण करने का समय मांगा है. 28 अप्रैल या अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन कर सकते हैं. उद्घाटन के तुरंत बाद इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा. इस एक्सप्रेस वे के माध्यम से लखनऊ-कानपुर के बीच की दूरी 35 से 45 मिनट में तय हो जाएगी.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है. लखनऊ में उनके प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय से ठलक्षअकने समय मांगा है. संभव है कि 28 अप्रैल का समय मिल जाएगा. इसके बाद यह एक्सप्रेस में खुल जाएगा.

दिवाकर त्रिपाठी ने बताया कि एक्सप्रेसवे सिर्फ यातायात नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का इंजन बनेगा. लखनऊ और कानपुर दोनों ही महत्वपूर्ण केंद्र हैं. एक प्रशासनिक राजधानी, दूसरा औद्योगिक हब है. रोजाना आवागमन करने वाले लोगों, व्यापारियों, उद्योगों और विद्यार्थियों को बड़ा फायदा होगा. माल ढुलाई आसान होगी, समय और ईंधन की बचत होगी. वढ में पहले से सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं, इस प्रोजेक्ट से नेटवर्क और मजबूत होगा.

जानिए एक्सप्रेसवे के बारे में.

जानिए एक्सप्रेसवे के बारे में.

(ढँङ्ग३ङ्ग उ१ि३; एळश इँ१३)

एक्सप्रेसवे की लागतः बता दें कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की नींव दिसंबर 2020 में राष्ट्रीय राजमार्ग के दर्जे के साथ रखी गई थी. लगभग 4,700 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्रोजेक्ट का 80% से अधिक काम

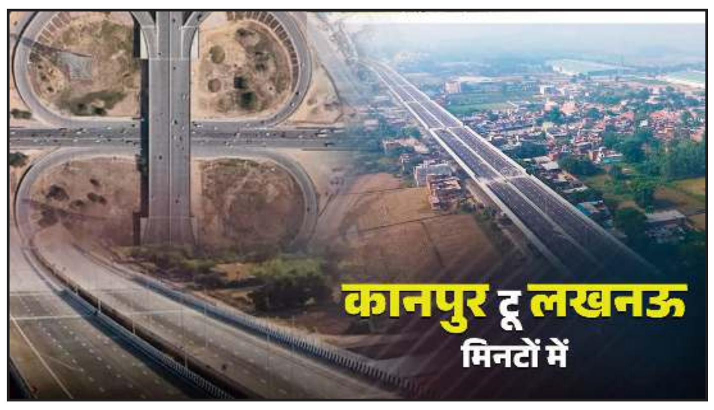

पूरा हो चुका है. उम्मीद है कि यह जून 2025 तक पूरी तरह चालू हो जाएगा. यह एक्सप्रेसवे लखनऊ के पिपरसंड से शुरू होकर नवाबगंज, बंथरा, बनी, दतौली कांठा, तौरा, नीरना, अमरसस और रावल होते हुए कानपुर के उन्नाव में आजाद चौक पर समाप्त होगा. इसका 18 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड है, जबकि 45 किलोमीटर ग्रीनफील्ड रूट पर बनाया गया है. इसमें 3 बड़े पुल, 28 छोटे पुल, 6 फ्लाईओवर, 38 अंडरपास और 4 इंटरचेंज शामिल हैं. यह लखनऊ रिंग रोड और गंगा एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और अन्य क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी.

कार और भारी वाहन ही चल सकेंगेः लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तेज और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठलक्षअक) ने सुरक्षा कारणों से बाइक, ऑटो और छोटे लोडर वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है. ठलक्षअक द्वारा निर्मित अन्य एक्सप्रेसवे, जैसे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पर भी इसी तरह के प्रतिबंध हैं. हल्के वाहनों की धीमी गति ट्रैफिक फ्लो को बाधित कर सकती है, जिससे एक्सप्रेसवे का उद्देश्य प्रभावित होगा. इसीलिए केवल कारों और भारी वाहनों को अनुमति दी गई है.

यूपी में पिछले 5 साल में बने प्रमुख एक्सप्रेसवे

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (2021): 96 किमी लंबा, 6-14 लेन का भारत का सबसे चौड़ा एक्सप्रेसवे. अप्रैल 2021 में उद्घाटन. दिल्ली से मेरठ का सफर मात्र 45-60 मिनट में. ठउफ की ट्रैफिक समस्या में बड़ी राहत, आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं.लागत लगभग 7,855 करोड़ रुपये.

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (2021): 340-341 किमी, 6 लेन जो कि 8 लेन तक विस्तार योग्य है. नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन. लखनऊ से गाजीपुर तक है. पूर्वी उत्तर प्रदेश को राजधानी और दिल्ली से जोड़ा. इमरजेंसी एयरस्ट्रिप, औद्योगिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा. भारत के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक है.

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (2022): 296 किमी लंबा, मात्र 28 महीने में पूरा हुआ है. जुलाई 2022 में पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन किया था. इटावा से चित्रकूट तक है. बुंदेलखंड के पिछड़े क्षेत्र को मुख्यधारा से जोड़ा, रोजगार और कृषि-आधारित उद्योगों को गति है. वढ का सबसे तेज बने एक्सप्रेसवे में शामिल है.

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे (2025): 91.35 किमी, 4 लेन का है. जून 2025 में उट योगी आदित्यनाथ द्वारा उद्घाटन किया गया था. पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को गोरखपुर से जोड़ता है. पूर्वी वढ की कनेक्टिविटी मजबूत, लागत करीब 7,283 करोड़ रुपये. अयोध्या-गोरखपुर क्षेत्र में पर्यटन बढ़ावा मिला है.

गंगा एक्सप्रेसवे (2026): 594 किमी, वढ का सबसे लंबा. मेरठ से प्रयागराज तक, 12 जिलों को जोड़ता है. जून 2026 में उद्घाटन संभव है. 6 लेन 8 तक विस्तार योग्य है. 36,000 करोड़ से अधिक लागत है. पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी क्रांति, मेरठ-प्रयागराज का सफर 12 घंटे से घटकर 6-7 घंटे है.

सीबीएसई 10वीं में लखनऊ के मेधावी चमके, कई छात्रों ने हासिल किए 99 प्रतिशत अंक कर किया शहर का नाम रोशन

लखनऊ, (जीएनएस)। सीबीएसई 10वीं के परिणाम में लखनऊ के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। कई विद्यार्थियों ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर शहर का नाम रोशन किया। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और अभिभावकों को दिया। अन्य छात्रों का प्रदर्शन भी बेहतर रहा। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सत्र 2025-26 के 10वीं का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया है। जिसमें लखनऊ से अवनी द्विवेदी, अक्षरा पांडेय, आरव तिवारी, शगुन पांडेय को 99 प्रतिशत अंक मिले हैं। एलपीएस साउथ सिटी की छात्रा अवनी द्विवेदी ने अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों व माता पिता को दिया है।

वहीं, दाक्षी अग्रवाल को 97.8 अंक मिले हैं। इसके अलावा कई विद्यार्थियों का भी परिणाम बेहतर है। विद्यार्थी अपना परिणाम सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट ुरी.ङ्ग५.ल्ल पर सीबीएसई 10वीं रिजल्ट ऑप्शन पर क्लिक करके देख सकते हैं।

परिवार का है कपड़े धोने के व्यवसाय, बेटी जाएगी अमेरिका

प्रेरणा गर्ल्स स्कूल की पूर्व छात्रा और वर्तमान में स्टडी हॉल की

छात्रवृत्ति धारक दीपाली कन्नौजिया सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ संकल्प और मेहनत से सफलता की मिसाल बनीं हैं। उनका परिवार कपड़े धोने के व्यवसाय से जुड़ा है, जिसमें उनकी बड़ी बहनें भी सहयोग करती हैं। दीपाली ने कक्षा 10 की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 95.2% अंक हासिल किया है। चार भाई-बहनों में वह सबसे छोटी हैं। दीपाली का मानना है मेहनत से मंजिल जरूर मिलती है। उनकी सफलता पर मां सुमन ने गर्व जताया है। दीपाली को आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका में एक वर्ष की छात्रवृत्ति भी मिली है।

रोजाना पांच से छह घंटे की पढाई, आईआईटी में जाने का है सपना

एलपीएस (सीपी सिंह) साउथ सिटी ब्रांच की छात्रा अन्वी द्विवेदी ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार सफलता पाई है। अन्वी बताती हैं कि शुरूआत में वह रोज स्कूल के बाद तीन-चार घंटे सेल्फ स्टडी करती थीं, जबकि परीक्षा के नजदीक आते ही पढ़ाई का समय बढ़ाकर 5 से 6 घंटे कर दिया। उन्होंने पुराने साल के प्रश्न पत्र व टेस्ट पेपर हल कर अपनी तैयारी मजबूत की। उन्हें आईआईटी में जाना है। उनके पिता मनोज कुमार द्विवेदी प्रवर्तन निदेशालय में कार्यरत हैं और मां पूनम द्विवेदी गृहिणी हैं। माता-पिता के सहयोग और मार्गदर्शन ने अन्वी को पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

पास प्रतिशत के मामले में 15वें स्थान पर लखनऊ क्षेत्र

पहली बार क्षेत्रीय केंद्र बनाए गए लखनऊ का परीक्षा परिणाम मिलाजुला रहा है। 22 क्षेत्रीय केंद्रों में लखनऊ 15वें नंबर पर है। वहीं इस सूची में त्रिवेंद्रम शीर्ष पर है। सूची में आखिरी पायदान पर गुवाहाटी है। लखनऊ क्षेत्र का पास प्रतिशत 91.63 फीसदी रहा। त्रिवेंद्रम का 99.79 और गुवाहाटी का पास प्रतिश महज 85.32 फीसदी रहा। वहीं सीबीएसई के रिजल्ट में केंद्रीय विद्यालय एक बार फिर से अव्वल साबित हुए हैं। वहीं निजी स्कूलों के साथ ही अनुदानित विद्यालय पास प्रतिशत के मामले में सबसे निचली पायदान पर हैं। पास प्रतिशत के मामले में केंद्रीय विद्यालय 99.57 फीसदी के साथ पहले नंबर पर है। इसके बाद 99.42 फीसदी के साथ जवाहर नवोदय विद्यालय, तीसरे नंबर पर 97.42 फीसदी के साथ राज्य विद्यालय, चौथे नंबर पर 93.77 फीसदी के साथ निजी विद्यालय, पांचवे पर 91.43 फीसदी के साथ सरकारी विद्यालय और अंतिम पायदान पर 91.01 पास प्रतिशत के सरकारी

अब रविवार को भी होगी रजिस्ट्री, मेरठ-लखनऊ समेत 9 जिलों के लिए बड़ी खुशखबरी

उत्तर प्रदेश सरकार ने संपत्ति पंजीकरण को आसान बनाने के लिए मेरठ और लखनऊ सहित 9 बड़े जिलों में रविवार को बैनामा सुविधा शुरू की है. अब नौकरीपेशा लोग बिना छुट्टी लिए वीकेंड पर रजिस्ट्री करा सकेंगे. साथ ही, कुछ कार्यालयों का समय बढ़ाकर रात 8 बजे तक कर दिया गया है.

लखनऊ , (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश शासन ने 19 अप्रैल से मेरठ, लखनऊ, आगरा और कानपुर जैसे 9 प्रमुख जिलों में रविवार को भी बैनामा और पंजीकरण की विशेष सुविधा शुरू करने का आदेश दिया है. इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य कामकाजी लोगों और व्यस्त नागरिकों को बिना कार्यालय से छुट्टी लिए संपत्ति से जुड़े कार्य निपटाने का अवसर प्रदान करना है. जहां दो या अधिक उप निबंधक कार्यालय हैं, वहां रोटेशन के आधार पर हर रविवार एक दफ्तर खुला रहेगा. अधिकारी इस प्रक्रिया को फरवरी में मिले प्रस्तावों के आधार पर लागू कर रहे हैं ताकि पंजीकरण व्यवस्था को अधिक सुगम बनाया जा सके.

इन 9 शहरों में मिलेगी खास सुविधा

सरकार के इस फैसले का लाभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक के बड़े शहरों को मिलेगा. लिस्ट में मेरठ, अलीगढ़, आगरा, कानपुर नगर, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा), लखनऊ, वाराणसी और सहारनपुर शामिल हैं. इन जिलों के व्यस्ततम इलाकों में रहने वाले लोगों को अब रजिस्ट्री के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या कार्यदिवसों का इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी. 19 अप्रैल से यह पूरी प्रणाली जमीन पर उतर जाएगी.

देर रात तक खुलेंगे दफ्तर

रजिस्ट्री दफ्तरों के समय में भी बड़ा बदलाव किया गया है. अब एक तय उप निबंधक कार्यालय दोपहर 1 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा. मेरठ में सदर द्वितीय उप निबंधक कार्यालय को यह जिम्मेदारी दी गई है. यहां देर शाम तक बैनामा, विवाह पंजीकरण और अन्य सभी जरूरी कागजी काम निपटाए जा सकेंगे. यह कदम उन लोगों के लिए राहत भरा है जो दिन के समय काम की वजह से दफ्तर नहीं पहुंच पाते थे.

पंजीकरण की प्रक्रिया हुई और भी आसान

अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से न केवल जनता को सुविधा होगी, बल्कि राजस्व से जुड़े कार्यों में भी तेजी आएगी. फरवरी में मांगे गए प्रस्तावों के बाद तैयार की गई यह व्यवस्था पूरी तरह से डिजिटल युग की मांग और लोगों की व्यस्त जीवनशैली को ध्यान में रखकर बनाई गई है. अब रविवार को भी पूरे शहर की संपत्तियों का बैनामा एक ही स्थान पर संभव हो पाएगा, जिससे भीड़ का प्रबंधन भी बेहतर होगा.

लखनऊ में बिजली के करंट से युवक की मौत, अस्पताल से बाहर निकलने पर दुर्घटना में भाई घायल

लखनऊ के बीकेटी में खेत में ट्यूबवेल का तार ठीक करते समय 25 वर्षीय राहुल यादव की करंट लगने से मौत हो गई।

बीकेटी (लखनऊ)। (जीएनएस)। खेत में लगे ट्यूबेल की बिजली ठीक कर रहे युवक की करंट लगने से मौत हो गई। जिसके बाद अस्पताल से बाहर निकलकर सीतापुर रोड पहुंचा तभी किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना मे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

बीकेटी थाना क्षेत्र के अकोहरी निवासी किसान नंदकिशोर यादव का गांव के बाहर खेत है।

बताया जा रहा है कि किसान का लड़का राहुल यादव (25) खेत में बने ट्यूबेल के स्टार्टर का तार सही कर रहा था। इसी दौरान करंट लगने से वह बेहोश हो गया। कुछ देर में जब वह घर नहीं पहुंचा तो घरवाले खेत पहुंचे जहां ट्यूबेल (नलकूप) पर वह बेहोश मिला।

जिसके बाद लोडर वाहन से बेहोशी की हालत में उसका भाई रोशम यादव पारस अस्पताल ले गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं अस्पताल से निकलकर रोशन सड़क पार कर रहा था इसी दौरान किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है।

लखनऊ में 16 लाख से अधिक वाहनों का कट सकता है 15 हजार का चालान, नए नियम के बाद अब होगी सख्ती

लखनऊ में 16 लाख से अधिक वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (HSRP) नहीं लगी है। परिवहन विभाग लोगों को इसके फायदे समझाने में असफल रहा,

लखनऊ। (जीएनएस)। हर तरह के वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य किया जा चुका है। इसके बावजूद शहरों से लेकर गांवों तक के वाहनों में नंबर प्लेट नहीं लग सकी है। परिवहन विभाग के अधिकारी यह तर्क देते रहे हैं कि दोपहिया वाहन स्वामी इसमें रुचि नहीं दिखा रहे, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में न लगवाने वालों की संख्या अधिक है लेकिन, राजधानी में ही 16 लाख से अधिक वाहनों में एचएसआरपी नहीं लग सकी है। वजह यह है कि विभाग लोगों को एचएसआरपी का फायदे समझाने में असफल रहा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 2022 में आदेश दिया कि सभी वाहनों में विशेष नंबर प्लेट लगाई जाए। एक अप्रैल 2019 के बाद पंजीकृत सभी वाहनों में यह नंबर प्लेट लग रही है, जबकि इसके पहले के वाहन स्वामियों को लगवाने का आदेश दिया गया।

लखनऊ में उस समय 24 लाख

25 हजार 679 वाहन स्वामियों को यह नंबर प्लेट लगवानी थी। चार साल में आठ लाख लोगों ने ही नंबर प्लेट लगवाई है और 16 लाख से अधिक ऐसे वाहन हैं जिनमें यह नंबर प्लेट नहीं लगी है। एचएसआरपी से वाहन की सुरक्षा और आसान ट्रैकिंग हो सकती है। ये प्लेट छेड़छाड़-रोधी होती हैं क्योंकि इनमें लेजर-कोड और होलोग्राम होते हैं, जो वाहन की पहचान को सुरक्षित बनाते हैं। इतनी खूबियों के बाद भी इस नंबर प्लेट को लगवाने के लिए प्रदूषण जांच का सहारा लेना पड़ा है।

उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग ने नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर यानी एनआईसी के माध्यम से पीयूसीसी यानी प्रदूषण जांच पोर्टल में ऐसी व्यवस्था की गई है, ताकि 15 अप्रैल से पोर्टल इसका प्रमाणपत्र तभी जारी करेगा, जब वाहन में एचएसआरपी लगा होगा।

पूर्व अपर परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा पुष्पसेन सत्यार्थी कहते हैं कि लोगों को विशेष नंबर प्लेट के फायदे ठीक से समझाया नहीं जा सका और प्रवर्तन कार्रवाई भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। यह भी कहा कि वाहनों के चोरी होने की घटनाएं हुई लेकिन, पुलिस व अन्य यह सिद्ध करने में तत्पर नहीं दिखे कि वाहन की बरामदगी इसलिए हो सकी क्योंकि उसमें एचएसआरपी लगी थी। यही वजह है कि अब प्रदूषण जांच का सहारा लेना पड़ा है। लोग बेखौफ सड़कों पर घूम रहे हैं।

छिटपुट कार्रवाई होने से लोग गंभीर नहीं हैं। अब बिना एचएसआरपी वाले वाहनों की प्रदूषण जांच न होने से परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि अब दोनों का 15 हजार रुपये का चालान होगा। ऐसे वाहनों का चालान चौराहों पर लगे कैमरों व परिवहन, यातायात व पुलिस भी कर सकेगी। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया एचएसआरपी लगवाने के लिए कई बार अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित किया गया था, अब सख्ती बरती

यूपी में बदलने वाला है मौसम का मिजाज, लखनऊ समेत कई जिलों के लिए आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

उत्तर प्रदेश में पछुआ हवाओं और शुष्क मौसम ने गर्मी बढ़ा दी है. बांदा @42.6°C के साथ सबसे गर्म जिला रहा. लखनऊ समेत पूरे यूपी में अगले 5 दिनों में तापमान 40°C के पार जाने का अनुमान है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मौसम ने पूरी तरह से करवट ले ली है और अब चिलचिलाती धूप के साथ गर्म हवाओं का खतरा बढ़ने लगा है. पिछले महज 4 दिनों के भीतर प्रदेश के औसत तापमान में 10°C से ज्यादा की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. मौसम विभाग के ताजा इनपुट के मुताबिक, शुष्क मौसम और गर्म पछुआ हवाओं के चलते राज्य के दक्षिणी हिस्सों ने 40°C का आंकड़ा पार कर लिया है. वर्तमान में बांदा जिला 42.6°C के साथ प्रदेश का सबसे गर्म इलाका बना हुआ है

अब 40 के पार जाएगा पारा

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में कोई भी सक्रिय वेदर सिस्टम (जैसे पश्चिमी विक्षोभ) मौजूद नहीं है. इसके अलावा, कर्नाटक और महाराष्ट्र के ऊपर बना एंटी-साइक्लोन (प्रतिचक्रवात) अब मध्य भारत की ओर खिसक रहा है. इसका सीधा असर उत्तर प्रदेश पर पड़ेगा. आने वाले 4-5 दिनों में तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की पूरी संभावना है.

राजधानी लखनऊ में भी बढ़ेगी तपिश

पछुआ हवाओं के थमने और मौसम पूरी तरह शुष्क रहने के कारण अब राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकांश जिलों में पारा 40त्उ के स्तर को पार कर जाएगा. दोपहर के समय चलने वाली गर्म हवाएं आम जनजीवन को प्रभावित कर सकती हैं. मौसम विभाग ने आगाह किया है कि आने वाले दिनों में तापमान सामान्य से अधिक रहेगा, जिससे गर्मी का प्रकोप और गहराएगा.

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

प. एशिया संकट के बीच पाकिस्तान बड़ी चालाकी से ईंरान के प्रति दिखा रहा हमदर्दी

पाकिस्तान ने अपने फाइटर जेट्स और जेट्स सउदी अरब के किग अब्दुल अजीज एयरबेस पर मंगलवार को उतारकर इस बात का संकेत दिया कि उस पर सउदी अरब और अमेरिका की तरफ से इतना दबाव बढ़ रहा है कि उसको भी जंग में शामिल होना पड़ सकता है।

पाकिस्तान अभी तक यूं ही नहीं ऊपरी तौर पर चौधराहट और आंतरिक रूप से युद्ध में शामिल होने से बचने के लिए तरकीब लगा रहा था।

दरअसल इस्लामाबाद वार्ता टूटने के बाद जैसे ही राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मूज समुद्री मार्ग में अपने फाइटर्स तैनात करने की घोषणा की इसके बाद ही सउदी अरब ने पाकिस्तान को दो टूक कहा कि अब वह समझौते के अनुसार ईंरान के खिलाफ युद्ध में सव्रियता पूर्वक भाग ले। सच तो यह है कि पाकिस्तान ने ईंरान के खिलाफ सउदी अरब से समझौता कर रखा है।

यही नहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की सांस ही सउदी अरब और यूएई द्वारा दिए अरबों डालर के कारण चल रही है।

पाकिस्तान ने बड़ी चालाकी से ईंरान के प्रति हमददी दिखाते हुए उसे वार्ता के लिए तैयार करने की कोशिश की थी किंतु ईंरान को पता था कि पाकिस्तानी सेना और सरकार दोनों ही उसके साथ विश्वासघात कर रहे हैं। ईंरान को यह भी पता था कि पाकिस्तान अमेरिका के गुप्त प्रतिनिधि के तौर पर वार्ता की मेजबानी कर रहा है। इसीलिए उन्होंने चीन से सलाह मांगी और चीन ने जब कहा तब उन्होंने वार्ता में शामिल होने की सहमति दी।

पाकिस्तान जो चीन से भी तमाम तरह की आर्थिक सहायता और कर्ज ले चुका है, अब उसे उसका भी कोपभाजन बनना पड़ सकता है। पाकिस्तान ने खुद की गर्दन बचाने के लिए इतना प्रयास किया किंतु इस जंग में उलझन इतनी ज्यादा है कि अब उसे अपने असली स्वरूप में आने के लिए विवश होना पड़ा।

यह हैरानी की बात नहीं है कि कोलकाता में चीन के वाणिज्य महादूत जू वेईं ने सोमवार को जब कहा कि भारत तेजी से उभरती आर्थिक महाशक्ति है और चीन पहले से ही आर्थिक महाशक्ति है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि यदि भारत और चीन दोनों मिलकर काम करें तो उन्हें कोई भी देश परेशान नहीं कर सकता। इसका मतलब है कि जिस तरह चीन वषरे से चली आ रही अपनी दुश्मनी को भूल कर वह रूस के साथ सहयोग कर सकता है, उसी तरह वह भारत के साथ भी रहने की रणनीति अपना सकता है। पहले तो रूस से चीन की सीमा संबंधी झगड़े होते ही रहते थे किंतु अमेरिका की वजह से चीन ने रूस के साथ आर्थिक सहयोग शुरू किया और आज की तारीख में दोनों को दोस्त तक माना जाता है।

इसी तरह का यदि अपनी बाजारवादी आर्थिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए चीन सीमा संबंधी विवादों के बावजूद भारत से रिश्ते रणनीतिक दृष्टि से सामान्य कर ले तो इससे बड़ी राहत भारत के लिए और इससे बड़ा झटका पाकिस्तान के लिए वुछ भी नहीं हो सकता।

बहरहाल तेजी से बदलते भू राजनीतिक परिदृश्य का पाकिस्तान ने धूर्ततापूर्वक लाभ उठाने की कोशिश की लेकिन वह इस दलाली के दलदल में ऐसा पंसता जा रहा है कि लगता है कि उसे खाड़ी अथवा ईंरान तथा अमेरिका अथवा चीन में से किसी को चुनने के लिए विवश होना पड़ेगा। इसी को कहते हैं चौबे चले थे छब्बे बनने दूबे बनकर लौटे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने एम्स नागपुर के दीक्षांत समारोह में शिरकत की

प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान कभी नहीं ले सकती: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (15 अप्रैल, 2026) महाराष्ट्र के नागपुर में एम्स नागपुर के दीक्षांत समारोह में शिरकत की और संबोधित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं है; यह संवेदनशीलता के साथ मानवता की सेवा करने का मार्ग है। एक डॉक्टर न केवल बीमारियों का इलाज करता है, बल्कि बीमार लोगों के मन में उम्मीद भी जगाता है। डॉक्टरों द्वारा दी जाने वाली सहानुभूतिपूर्ण सलाह न केवल रोगी को, बल्कि उनके परिवार को भी शक्ति प्रदान करती है। अक्सर, डॉक्टरों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। फिर भी, ऐसी परिस्थितियों में भी, उन्हें रोगी और उनके परिवार के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखनी चाहिए। रोगियों और उनके परिवारों को भी हमेशा चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। यह डॉक्टर और रोगी के बीच विश्वास के बंधन को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य राष्ट्र की प्रगति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उनका व्यक्तिगत कल्याण। नागरिकों के स्वस्थ रहने और राष्ट्र निर्माण में अपनी पूरी क्षमता से योगदान देने में सक्षम होने के लिए, भारत सरकार ने पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देशभर में नए एम्स की स्थापना से न केवल बेहतर चिकित्सा उपचार तक पहुंच बढ़ी है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी व्यापक हुए हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थापना के कुछ ही वर्षों के भीतर, एम्स नागपुर ने चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर ली

है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान युग स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन का समय है। विश्व भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और उन्नत अनुसंधान जैसी नई तकनीकों के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। हमें इन परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं में मौजूद असमानता को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सभी तक पहुंचे, तकनीकी विकास का लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एम्स नागपुर इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समाज में डॉक्टरों का उच्च स्थान है। लोग उनका सम्मान करते हैं और उन पर भरोसा करते हैं। वे डॉक्टरों को अपने और अपने प्रियजनों के स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा का दायित्व सौंपते हैं। इसलिए, डॉक्टरों का यह सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है कि वे अपने मरीजों के हितों को सर्वोपरि रखें। इस कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वाह करके वे अपनी और चिकित्सा के पेशे की प्रतिष्ठा को और बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि सेवा भाव के साथ-साथ डॉक्टरों में आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। जिज्ञासा ही प्रगति की नींव है। चिकित्सा विज्ञान में नए समाधान खोजने की ललक न केवल उन्हें असाधारण डॉक्टर बनने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें सेवा के अधिक अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने युवा डॉक्टरों को नवाचार, अनुसंधान और निरंतर सीखने के उत्साह को आत्मसात करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि वे हमेशा इस बात को ध्यान में रखें कि चिकित्सा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान कभी नहीं ले सकती। उन्होंने उनसे करुणा की भावना को हमेशा पोषित करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा जगत से जुड़े लोग मानवता की सेवा करने का अनूठा अवसर पाकर सौभाग्यशाली हैं। उन्हें इस जिम्मेदारी पर गर्व करना चाहिए और इसे संवेदनशीलता से निभाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्नातक छात्र न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सफल होंगे बल्कि साथी नागरिकों को स्वस्थ रखने में भी योगदान देंगे।

ऐसे प्रयासों के बल पर हम स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होंगे।

उपराष्ट्रपति का एआई को व्यापक भलाई के लिए एक शक्ति के रूप में अपनाने का आह्वान किया

उपराष्ट्रपति ने आईआईपीए में "सुशासन के लिए एआई" विषय पर 5वें डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान में एआई को व्यापक भलाई के लिए एक शक्ति के रूप में अपनाने का आह्वान किया

उपराष्ट्रपति ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संकल्प को रेखांकित किया, उनकी सोमनाथ मंदिर यात्रा को याद किया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता सरकारों को पहले से कहीं बेहतर सेवा देने के लिए सशक्त बना रही है : उपराष्ट्रपति

एआई एक ऐसे विकसित भारत के निर्माण के लिए सक्षमकर्ता है, जो समावेशी, कुशल और भविष्य के लिए तैयार है : उपराष्ट्रपति

भारत एआई का लाभ उठाने में सबसे आगे है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को मजबूती देता है : उपराष्ट्रपति

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक प्रौद्योगिकीय क्रांति नहीं, बल्कि यह एक मानवीय क्रांति है : उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 72वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के

रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने "सुशासन के लिए एआई" विषय पर पांचवां डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्षिक स्मृति व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने डॉ. प्रसाद के नैतिक विवेक और दृढ़ विश्वास के प्रति उनकी अटूट निष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने उस समय के प्रमुख नेताओं के विरोध के बावजूद उनकी सोमनाथ मंदिर यात्रा को याद किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. प्रसाद को उनकी सादगी, ईमानदारी और सार्वजनिक कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. प्रसाद का जीवन इस सिद्धांत को रेखांकित करता है कि सच्चा शासन सेवा के बारे में है, न कि सत्ता के बारे में। उन्होंने इस व्याख्यानमाला को संविधान सभा के अध्यक्ष और देश के प्रथम राष्ट्रपति के प्रति एक उपयुक्त श्रद्धांजलि बताया।

यह कहते हुए कि विश्व मानव इतिहास के सबसे रोमांचक दौरों में से एक का गवाह बन रहा है, उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में जी रहे हैं, जहां मशीनें सीख सकती हैं और प्रणालियां सोच सकती हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन को पुनर्परिभाषित कर रही है और सरकारों को एक नई महाशक्ति प्रदान कर रही है- नागरिकों को पहले से कहीं बेहतर समझने, प्रतिक्रिया देने और उनकी सेवा करने की क्षमता। इस बात पर जोर देते हुए कि शासन केवल नियमों और प्रणालियों के बारे में नही है, उन्होंने कहा कि इसका वास्तविक उद्देश्य लोगों को सशक्त बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पीछे न छूटे और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में 'एआई' की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को 2047 तक 'विकसित भारत' की यात्रा में एक प्रमुख सक्षमकर्ता बनाते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह शासन को तेज, स्मार्ट और अधिक पारदर्शी बना रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि एआई कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सटीक और गरिमापूर्ण सेवा वितरण सुनिश्चित कर रहा है, जिससे लक्षित कल्याण वितरण सुनिश्चित करके और रिसाव को कम करके 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को मजबूती मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि एआई नीति और लोगों के बीच एक सेतु के रूप में काम करेगा, जिससे डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी, सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार होगा और नागरिकों तथा संस्थानों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी शासन के लिए एआई का लाभ उठाने में आगे है।

लखनऊ को हराने के लिए आरसीबी को नहीं करनी पड़ी मेहनत, पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंची डिफेंडिंग चैंपियन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को आसानी से हरा दिया। 29 गेंद रहते आरसीबी ने 146 रन चेज कर दिए।

बेंगलुरुः (जीएनएस)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टीम ने सीजन के 23वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहले खेलते हुए लखनऊ की पारी आखिरी गेंद पर 146 रनों पर सिमट गई। आरसीबी ने टारगेट को आसानी से 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया है। 5 मैचों में 4 जीत के साथ आरसीबी के 8 पॉइंट हो गए हैं। नेट रन रेट में वह राजस्थान रॉयल्स से बेहतर है और इसलिए टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। 5 मैचों में लखनऊ की यह तीसरी हार है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी

पावरप्ले में आरसीबी के गेंदबाजों ने कमाल की बैटिंग की और सिर्फ 35 रन दिए।

ऋषभ पंत 5वें ओवर में जोश हेजलवुड की गेंद पर इंजर्ड होकर रिटायर्ड हर्ट हुए।

हेजलवुड ने चार ओवर के स्पेल में 20, रसिख सलाम ने 24 और भुवनेश्वर कुमार ने 27 रन दिए।

मिचेल मार्श ने 32 रन बनाने के लिए 40 गेंदों का सामना किया। निकोलस पूरन (1) फिर फेल रहे।

रसिख ने 4 जबकि भुवी ने तीन विकेट लिए। क्रुणाल पंड्या ने दो

शिकार किए।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ को एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने संभली हुई शुरूआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 32 रन जुटाए। मार्करम 8 गेंदों में 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान पंत बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे, लेकिन अपनी पारी की तीसरी ही गेंद पर यह बल्लेबाज चोटिल हो गया, जिसके बाद रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा। इस बीच मार्श 32 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 40 रन बनाकर आउट हो गए।

इस टीम ने 118 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे, लेकिन अगले ही ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने उन्हें अपना शिकार बना दिया। पंत 1 रन ही बना सके। आयुष बडोनी ने 24 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 38 रन बनाए जबकि मुकुल चौधरी ने 28 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 39 रन की पारी खेली। रसिख सलाम डार ने 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पारी

लखनऊ के फील्डर की गलती से विराट कोहली पहले ही ओवर में रन आउट होने से बचे।

फिल साल्ट दूसरे ओवर में 7 रन बनाक प्रिंस यादव की गेंद पर बोल्ड हो गए।

विराट कोहली ने पावरप्ले में विस्फोटक बैटिंग करते हुए 200 की स्ट्राइक रेट से 20 गेंद पर 40 रन बनाए।

रजत पाटीदार ने 13 गेंद पर 27 और जितेश शर्मा ने 9 गेंद पर 23 रन बनाए।

टिम डेविड ने 8 गेंद पर 14 और रोमारियो शेफर्ड भी 8 गेंद पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे मैच मैच फिनिश किया।

आरसीबी ने 1.4 ओवर में महज 9 के स्कोर पर फिल साल्ट (7) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 57 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। पड्डिकल 11 गेंदों में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कोहली ने पारी को आगे बढ़ाया। कोहली ने 34 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 49 रन की पारी खेली।

आरसीबी की तरफ से कप्तान रजत पाटीदार ने 13 गेंदों में 27 रन जुटाए, जबकि जितेश शर्मा ने 9 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 23 रन बनाए। इस टीम ने 122 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट खो दिया था।

फ्रांस भारत के सबसे भरोसेमंद और मित्रवत साझेदारों में से एक है: लोकसभा अध्यक्ष

नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है: लोकसभा अध्यक्ष

एआई और प्रौद्योगिकी के उपयोग ने जनता और संसद के बीच की खाई को पाट दिया है: लोकसभा अध्यक्ष

फ्रांस की सीनेट के फ्रांस-भारत अंतर-संसदीय मैत्री समूह ने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की

(जीएनएस)। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने बुधवार को फ्रांस को भारत के सबसे भरोसेमंद और मित्रवत साझेदारों में से एक बताते हुए दोनों देशों के बीच गहरे और अटूट संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रॉन के बीच सौहार्दपूर्ण व्यक्तिगत संबंध द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत और गहरा करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करते हैं।

श्री बिरला ने ये टिप्पणियां फ्रांस की सीनेट के फ्रांस-भारत अंतर-संसदीय मैत्री समूह के साथ बातचीत के दौरान कीं, जिसने बुधवार को संसद भवन में उनसे मुलाकात की।

श्री बिरला ने फरवरी 2026 में राष्ट्रपति मैक्रोन की भारत यात्रा को याद करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि द्विपक्षीय संबंधों को "विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी" के स्तर तक ऊपर उठाना दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग की बढ़ती गहराई को दशार्ता है।

श्री बिरला ने फ्रांस की संसद में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी (जो 36 प्रतिशत से अधिक है) की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत भी शासन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर विधायी और संस्थागत प्रयास कर रहा है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर विशेष रूप से पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बेहद उत्साहजनक रही है।

श्री बिरला ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि नवनिर्मित संसद भवन में पारित पहला विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम था, जो निर्वाचित विधायी निकायों में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह ऐतिहासिक विधेयक महिला नेतृत्व वाले विकास और समावेशी शासन के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

श्री बिरला ने नई दिल्ली (2026) और पेरिस (2025) में आयोजित एआई शिखर सम्मेलनों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और फ्रांस दोनों ही संसदीय कार्यकुशलता, पारदर्शिता और व्यापक पहुंच बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि एआई और डिजिटल उपकरणों के उपयोग से नागरिकों और संसद के बीच की दूरी काफी हद तक कम हो गई है।

उन्होंने इस संदर्भ में दोनों देशों की विधानसभाओं के बीच अधिक सहयोग और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का सुझाव दिया।

श्री बिरला ने राजनयिक और संसदीय दोनों स्तरों पर भारत और फ्रांस के बीच नियमित और रचनात्मक संवाद पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने पिछले वर्ष सिंदूर ऑपरेशन के बाद भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की फ्रांस यात्रा को याद किया और उस दौरान आतंकवाद की फ्रांस द्वारा की गई स्पष्ट निंदा की सराहना की। उन्होंने निरंतर समर्थन और एकजुटता के लिए फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गांधारी' में आंखों पर पट्टी बांधकर एक्शन करेंगी तापसी पन्नू? एक एक कड़ी खुली, सन्न रह जाएंगे आप

इ८ रॅ'ल्ल डॅल्ल

ढ४ु'रॅाः हीलिीर्२ॅट, अस्र१' 15, 2026, 23:02 [क्रळ]

ळंस्र्री ढंल्लल्ल४ ञ्रल्ल्र्ो१: तापसी पन्नू ने फीमेल-लेड सिनेमा में अपनी एक खास जगह बनाई है। 'पिंक', 'थप्पड़', 'नाम शबाना' से लेकर 'हसीन दिलरुबा' तक, उन्होंने लगातार ऐसी कहानियों को बखूबी निभाया है जहां महिलाएं फिल्म की कमान संभालती हैं।

ळंस्र्री ढंल्लल्ल४

अब खबर आ रही है कि अपनी आने वाली थ्रिलर फिल्म 'गंधारी' में वो अब तक का सबसे बड़ा जोखिम उठाने जा रही हैं, जिसमें वो आंखों पर पट्टी बांधकर जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी।

इस बारे में जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया है कि तापसी पन्नू पहले कभी न देखे गए अंदाज में अपनी सीमाओं को लांघने के लिए तैयार हैं। फिल्म में आंखों पर पट्टी बांधकर एक्शन करना उनके किरदार के लिए एक नई चुनौती होगी। यह सिर्फ स्टंट की बात नहीं है, बल्कि एक्शन हीरो की एक नई सोच है।

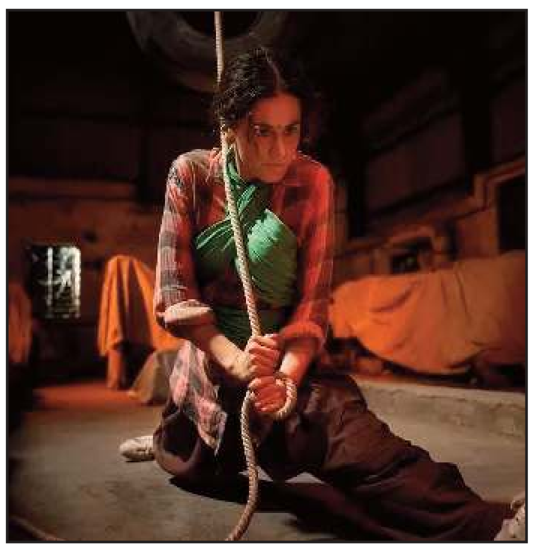

इन फाइट सीन्स में वो अपनी आंखों का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगी और उन्हें पूरी तरह से अपनी सहज बुद्धि, मसल मेमोरी और अंदरूनी ताकत पर निर्भर रहना होगा, जो उनकी इस कमजोरी को ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बना देगा।

मामूली से एक्शन सीन्स भी काफी दमदार लगते हैं क्योंकि अफरा-तफरी के बीच भी किरदार का खुद पर पूरा कंट्रोल रहता है। अगर यह बात सच साबित होती है, तो 'गंधारी' में तापसी के एक्शन का एक नया हुनर देखने को मिल सकता है, जो सिर्फ शारीरिक ताकत नहीं बल्कि उनकी इमोशनल और मेंटल गहराई को भी दिखाएगा। यह फिल्म तापसी की अब तक की सबसे यादगार परफॉर्मेंस में से एक बन सकती है। कनिका ढिल्लों द्वारा लिखी गई और देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है, जो एक ऐसी मां की कहानी है जो हार नहीं मानती और अपने किडनैप हुए बच्चे को बचाने की हर मुमकिन कोशिश करती है।

चेहरे पर बोटॉक्स या सर्जरी करवाने पर अवनीत कौर ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'ये मेरी मम्मी की वजह से...'

(जीएनएस)। आज के समय में अवनीत कौर काफी ज्यादा सुर्खियों में आ चुकी है और इतना ही नहीं भले ही उन्होंने अपनी करियर की शुरूआत टीवी एक्ट्रेस के तौर पर की थी। आज के वक्त में वह बॉलीवुड में भी छाई रहती है और सबसे ज्यादा उनका ग्लैमरस अंदाज लोगों को पसंद आता है। लेकिन कुछ वक्त से यह चर्चा हो रही है कि उन्होंने बोटोक्स या फिर कोई भी ट्रीटमेंट अपने चेहरे पर करवाया है। लेकिन वह कई इंटरव्यू में यह कह चुकी है कि लुक्स में उनके जो भी बदलाव आ रहा है वह पूरी तरीके से नेचुरल है।

लेकिन अब हाल ही में पिंक विला के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अवनीत कौर से सवाल किया गया कि जब भी आपका गला अप होता है तो लोग ऐसा समझते हैं कि आपने सर्जरी करवाई है या फिर बोटोक्स करवाया है। क्या आप से भी लोग ऐसा पूछते हैं?

इस पर अवनीत कौर जवाब देते हुए कहती है कि "मैं सभी कॉमेंट्स नहीं देख पाती हूं। लेकिन इस मामले में मैं यही कहूंगी कि आप अपनी बचपन की तस्वीर देखो और अब देखो। आप लोग भी अलग नजर आओगे। सब बड़े होते हैं और हमारे फीचर्स भी थोड़े चेंज हो जाते हैं।"

अभिनेत्री आगे कहती है कि "जैसे आप बड़े होते हो आप एक अलग इंसान बन जाते हो। मेरे भी फीचर्स बहुत ही ज्यादा चेंज हुए हैं। मैं और ज्यादा बड़ी हो जाउंगी तो ऐसी नहीं दिखूंगी। यह सब बहुत ही ज्यादा नेचुरल है। मैंने कोई भी सर्जरी या फिर बोटॉक्स नहीं

करवाया है। मैं बचपन से अभी तक वैसी ही हूं, मेरे आंखें भी सेम हैं। मैं जैसी भी दिखती हूं बिल्कुल नेचुरल हूं और यह मेरी मम्मी की वजह से है।"

गद्दी की जंग अब बड़े पर्दे पर- पुरानी नहीं नई कहानी, नए बदले के साथ आ रही है 'मिजार्पुरः द मूवी'

जानकारी के लिए आपको बता दें कि अवनीत कौर ने बहुत ही कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री ज्वाइन कर ली थी और एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर भी काम किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी एक खास पहचान बना ली और बचपन से लेकर अभी तक उनके लुक्स में बहुत ज्यादा बदलाव आया। जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर खूब चर्चा भी हुई कि उन्होंने सर्जरी या फिर बोटोक्स करवाया है। हालांकि अवनीत कौर ने हमेशा इन खबरों को नकार दिया।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे तैयार, 28 अप्रैल को लोकार्पण संभव, 45 मिनट में तय होगा सफर, देना होगा इतना टोल

कानपुर , (जीएनएस)। डंल्लस्र४१ ठी६२ः कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का काम पूरा हो गया है और 28 अप्रैल को इसके लोकार्पण की तैयारी है। 120 किमी की रफ्तार वाले इस मार्ग पर कार का टोल रुपये 275 संभावित है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे (एनई-6) का काम पूरा हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 28 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसका लोकार्पण कराने की तैयारी की है। इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से अनुमति मिलने का इंतजार है। इससे पहले एनएचएआई ने 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री से लोकार्पण कराने की तैयारी की थी। हालांकि प्रधानमंत्री का दूसरे प्रदेश का दौरा होने से समय नहीं मिल सका था।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के जोन-2 के तहत उन्नाव क्षेत्र में 45.300 किलोमीटर और जोन-1 में लखनऊ में 18.700 किलोमीटर का काम पूरा हो गया है। पिछले महीने लखनऊ दौरे पर आए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसे जल्द ही यातायात के लिए खोलने की बात कही थी। पीएमओ से इस संबंध में बात भी की थी।

विज्ञापन

एक सप्ताह के लिए आगे बढ़ा दिया गया

सूत्रों के मुताबिक एनएचएआई ने अगले मंगलवार (21 अप्रैल) को प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पण कराने की तैयारी की थी। हालांकि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम न मिलने से इसे एक सप्ताह के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इसे जनवरी में लखनऊ के बनी

कस्बे तक यातायात के लिए खोलने की तैयारी थी, लेकिन बाद में एनएचएआई ने लखनऊ क्षेत्र का भी काम पूरा होने के बाद ही यातायात शुरू करने का फैसला लिया था।

45 मिनट में कानपुर से लखनऊ, 275 रुपये टोल टैक्स

इस एक्सप्रेसवे पर वाहन चालक 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार में सुरक्षित चलकर 45 मिनट में कानपुर-लखनऊ का सफर पूरा कर सकेंगे। इसके लिए वाहन मालिकों को टोल टैक्स भी ज्यादा देना होगा। एनएचएआई सूत्रों के अनुसार लखनऊ-कानपुर हाईवे की अपेक्षा इस एक्सप्रेसवे पर करीब 25 प्रतिशत अधिक टोल टैक्स लगेगा। सूत्रों के अनुसार एक तरफ के लिए टोल टैक्स 275 रुपये और आना-जाना 415 रुपये में होगा। यातायात शुरू करने से पहले एनएचएआई टोल की दरें घोषित करेगा।

नहीं चलेंगे दो और तीन पहिया वाहन

इस एक्सप्रेसवे पर दो और तीन पहिया व अन्य हल्के वाहन नहीं चल सकेंगे। इंजीनियर अभिषेक के अनुसार इस एक्सप्रेसवे को 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के अनुसार बनाया गया है। वाहनों की तेज रफ्तार में बाइक व अन्य हल्के वाहन हादसों की वजह बन सकते हैं। इस वजह से इस पर दो और तीन पहिया वाहन नहीं चल सकेंगे।

दो स्थानों पर बनाए गए हैं इंटरचेंज

कानपुर-लखनऊ और उन्नाव-लालगंज हाईवे से भी जुड़े इस एलिवेटेड एक्सप्रेसवे को कानपुर-लखनऊ और उन्नाव-लालगंज (रायबरेली) हाईवे से जोड़ा गया है। इन दोनों ही स्थानों से लोग इस एक्सप्रेसवे पर चढ़ और उतर सकेंगे। उन्नाव में दो जगह इंटरचेंज बनाए गए हैं। कानपुर से लखनऊ जाने-आने के लिए जाजमऊ गंगा पुल या गंगा बैराज से आकर आजाद मार्ग चौराहा से एक्सप्रेसवे पहुंच सकेंगे। उन्नाव-लालगंज (रायबरेली) हाईवे से वाहन अचलगंज के कोरारी गांव के इंटरचेंज से इस एक्सप्रेसवे का प्रयोग कर सकेंगे।

ट्रॉमा सेंटर और ई-चार्जिंग की सुविधा

एक्सप्रेसवे पर 10 बेड का ट्रॉमा सेंटर भी बनाया गया है। इसके अलावा फूड प्लाजा, पेट्रोल पंप, इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग सेंटर, प्रसाधन, एंबुलेंस आदि सुविधाएं मिलेंगी।

कानपुर-लखनऊ एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हो गया है। जो भी छुटपुट काम बचे थे उन्हें 31 मार्च से पहले ही पूरा कर लिया गया था। एक्सप्रेसवे पूरा होने के रिपोर्ट दिल्ली मुख्यालय भेज दी गई है। अनुमति मिलते ही लोकार्पण कराया जाएगा और उसी दिन से इस पर यातायात शुरू कर दिया जाएगा। - नकुल कुमार वर्मा, पीडी, एनएचएआई

लखनऊ से शंकराचार्य को किसने किया था फोन? किसके कहने पर माघ मेले में हुआ था बवाल? आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया नाम

माघ मेले में हुए बवाल को लेकर आशुतोष ब्रह्मचारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान के दिन अव्यवस्था फैलाने के लिए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लखनऊ से फोन आया था. आशुतोष ब्रह्मचारी ने लगाए गंभीर आरोप.

लखनऊः (जीएनएस)। संगम नगरी के तट पर आयोजित माघ मेले में हुई अव्यवस्था का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब यह पूरा मामला राजनीतिक हो गया है. क्योंकि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ गंभीर आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी ने अब सूबे के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में डीसीपी सेंट्रल को तहरीर दी है. आशुतोष ब्रह्मचारी ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर आरोप लगाते हुए कहा कि माघ मेले में धार्मिक गतिविधियों को प्रभावित किया गया था. यह षडयंत्र स्वयंभू शंकराचार्य से लखनऊ से फोन करके

कराया गया था.

आशुतोष ब्रह्मचारी तहरीर पर क्या बोले

आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा, 'मैं थानाध्यक्ष के पास गया था उन्होंने शिकायत लेने से मना किया. उसके बाद मैने डीसीपी सर को शिकायत दी है. उन्होंने आश्वासन दिया है मामले की जांच कर कार्रवाई होगी. अभी अधिकारियों ने आश्वासन दिया है, जो कानूनी प्रक्रिया होगी उसको अपनाएंगे. मै कहूंगा डिप्टी सीएम ब्राह्मणों को बेचने का काम बंद करें. आप बटुकों के नाम पर धरना प्रदर्शन कराना चाहते हैं. सरकार हो या कोई और व्यक्ति हो साधु संतों का अपमान बंद करे.'

माघ मेले में क्या हुआ था मौनी अमावस्या के दिन

बता दें कि इस साल जनवरी से करीब 45 दिन तक चले माघ मेला में मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और प्रशासन के बीच विवाद हुआ था. 18 जनवरी, 2026 के दिन संगम स्नान के लिए उनके जाने को लेकर पुलिस के साथ हुई झड़प के कारण विवाद शुरू हुआ. बिना परमिशन के संगम नोज पर जाने, बैरियर तोड़ने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई. हालांकि पुलिस के इस एक्शन से नाराज अविमुक्तेश्वरानंद 10 दिन तक अनशन पर बैठे रहे और फिर बीच में ही माघ मेला छोड़कर चले गए.

अब अयोध्या होकर लखनऊ जाएंगी बसें, बलरामपुर में सरयू नदी पर बना संजय सेतु 16 अप्रैल से दो महीने के लिए मरम्मत हेतु रहेगा बंद

बसें अयोध्या या चलहारी घाट होकर लखनऊ जाएंगी। यात्रियों को अधिक दूरी और किराया चुकाना होगा।

बलरामपुर। (जीएनएस)। सरयू नदी पर बना संजय सेतु मरम्मत के लिए 16 अप्रैल से दो माह के लिए बंद किया जा रहा है। बड़े वाहनों को डायवर्ट कर दिया गया है। बलरामपुर डिपो से बसों का संचालन दो माह तक अयोध्या धाम और बहराइच चलहारी घाट से होकर लखनऊ, दिल्ली, कानपुर समेत अन्य शहरों को बसें आवागमन करेंगी। डायवर्जन से दूरी बढ़ जाएगी।

चलहारी घाट से होकर जाने वाली बसों को 199 किमी की दूरी तय करनी पड़ेगी। बलरामपुर से वाया चलहारी घाट कैसरबाग लखनऊ तक का किराया 272 रुपये यात्रियों को अदा करना पड़ेगा।

अयोध्या से होकर जाने वाली बसों से सफर करने वाले यात्रियों को 77 किमी अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। बलरामपुर वाया अयोध्या होते हुए कैसरबाग तक कुल 244 किमी बसें चलेंगी और किराया 370 रुपये यात्रियों को देना पड़ेगा।

बलरामपुर से गोंडा संजय सेतु होते लखनऊ की दूरी 167 किमी है। इसका यात्रियों को किराया 231 रुपये

अदा करना पड़ता था। वरिष्ठ डिपो प्रभारी तरन्नुम ने बताया कि संजय सेतु के इस पार ढाबा पर दो बसें खड़ी की जाएंगी। किसी साधन से रात में सरयू नदी पीपा पुल से पार करने वाले यात्रियों को बलरामपुर तक लाएगी।

गुरुवार से पैंटून पुल से सिर्फ कार, बाइक, छोटे स्कूली वाहनों का आवागमन होगा। किराया और दूरी बढ़ने से इसका असर परिवहन निगम की आय पर भी पड़ेगा। क्योंकि बहराइच चलहारी घाट होकर 25 और अयोध्या से जाने पर यात्रियों को 77 किमी अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। ऐसे में गोरखपुर- ऐशबाग (लखनऊ) इंटरसिटी एक्सप्रेस पर दबाव बढ़ना तय है।

24 घंटे में गोरखपुर से चलकर बलरामपुर होते हुए लखनऊ समेत अन्य शहरों को जाने के लिए कुल पांच ट्रेनें निकलती हैं। स्टेशन अधीक्षक आरके श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिदिन लखनऊ तीन हजार लोग आवागमन करते हैं। जनसंपर्क अधिकारी पूर्वोत्तर रेलवे महेश गुप्त ने बताया कि बोगी बढ़ाने या अतिरिक्त ट्रेन संचालन की अभी कोई योजना नहीं है।

दो माह तक बसों का डायवर्जन लागू रहेगा। ऐसे में बलरामपुर से लखनऊ, कानपुर और दिल्ली जाने वाली बसें गोंडा अयोध्या व बहराइच चलहारी घाट से होकर लखनऊ तक संचालित की जाएंगी। बहराइच होकर जाने पर 25 और अयोध्या से 77 किमी दूरी बढ़ेगी। किराये में भी अंतर आएगा। वर्तमान में डिपो की आय प्रतिदिन करीब 12 लाख 50 हजार है। डायवर्जन का असर आय पर पड़ेगा। इसका अनुमान लगाया जा रहा है। - गोपीनाथ दीक्षित, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक।

प्रधानमंत्री मोदी की पहलों से करोड़ों महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी' : फडणवीस

(जीएनएस)।

मुंबई, 15 अप्रैल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विभिन्न पहलों के चलते देश में करोड़ों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनी हैं।

नारी शक्ति विचार मंच द्वारा महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के लिए मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि सरकार के प्रयासों से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, 'देश में ऐसी करोड़ों महिलाएं हैं जो 'लखपति दीदी' योजना की लाभार्थी बनी हैं।'

'लखपति दीदी' योजना दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये या उससे अधिक की स्थायी घरेलू आय अर्जित करने में सक्षम बनाना है।

फडणवीस ने कहा कि पिछली

सरकारों के विपरीत प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के पास अवसर होने के बावजूद इसे (संसद में) पारित नहीं कराया जा सका।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, तब कुछ गठबंधन सहयोगियों ने विधेयक का विरोध किया था। वहीं, मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान बहुमत होने के बावजूद इसे आगे बढ़ाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी दिखाई दी।'

फडणवीस ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं सहित विधायी निकायों में महिलाओं के लिए प्रस्तावित 33 प्रतिशत आरक्षण को एक 'ऐतिहासिक क्षण' बताया और कहा कि यह देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भविष्य को आकार देने वाला एक मील का पत्थर साबित होगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के तहत महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है।

इसे परिसीमन प्रक्रिया के बाद लागू किए जाने की उम्मीद है।

लता-आशा की याद में बनेगा एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल

(जीएनएस)।

पुणे के पास नंदोशी में बन रहे लता मंगेशकर मेडिकल फाउंडेशन के आगामी अस्पताल का नाम अब 'लता-आशा मंगेशकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' रखा जाएगा। ट्रस्टी बोर्ड ने लता-आशा के भाई हृदयनाथ मंगेशकर और डॉ. धनंजय केलकर के साथ मिलकर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसका उद्देश्य इन महान गायिकाओं को सम्मान देते हुए संस्थान को एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक बनाना है।

संस्थान का शिलान्यास समारोह गुरुवार, 16 अप्रैल को नंदोशी, सिंहगढ़ रोड स्थित परियोजना स्थल पर शाम 5:00 बजे आयोजित होगा। यह आमंत्रण-आधारित कार्यक्रम लता मंगेशकर को खास संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। इस अवसर पर मंगेशकर और भोसले परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य अतिथि होंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

नोएडा प्रोटेस्ट : कौन हैं आरजेडी की वो 2 महिला प्रवक्ता? हिंसा की आग में घी डालने का आरोप, किन धाराओं में .एफआईआर दर्ज

(जीएनएस) ।नोएडा में दो दिन पहले मजदूरों के उग्र प्रदर्शन ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया था। आज बुधवार (15 अप्रैल) को स्थिति पूरी तरह सामान्य हो चुकी है। फैक्टरियां खुल गई हैं, कामकाज शुरू हो गया है और सड़कें भी सुबह की रफ्तार पकड़ रही हैं। लेकिन इस बवाल के बीच एक नया मोड़ आ गया है। RJD की दो नेशनल स्पोक्सपर्सन कंचना यादव और प्रियंका भारती पर नोएडा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कर ली गई है।

आरोप है कि दोनों ने सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो और पोस्ट शेयर करके हिंसा की आग में घी डाला, माहौल बिगाड़ा और पुलिस की छवि खराब करने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, दोनों महिला प्रवक्ताओं ने गलत वीडियो शेयर कर नोएडा के अलग-अलग इलाकों में भय और अविश्वास का माहौल बनाया। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वनइंडिया की टीम ने दोनों प्रवक्ताओं से संपर्क साधने का प्रयास किया। लेकिन, न फोन उठा और न ही मैसेज पर कोई जवाब आया। कोई भी प्रतिक्रिया आने पर अपडेट किया जाएगा। आइए विस्तार से जानें आखिर कौन हैं ये दोनों प्रवक्ता? किन धाराओं में मुकदमा?

नोएडा में आज का अपडेटः फैक्टरियां खुलीं, तनाव थमा

आज सुबह नोएडा सेक्टर 63, 84, 85, 80 और फेस-2 में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। जगह-जगह भारी फोर्स तैनात है। 16 कंपनी फ्अक्र और PAC की तैनाती की गई है। CCTV और ड्रोन से निरंतर निगरानी हो रही है। कंपनियों के गेट पर सैलरी हाइक के नोटिस चस्पा हैं, जिनमें कर्मचारियों को आश्वासन दिया गया है कि उनकी मांगों पर विचार किया जा रहा है।

हालांकि कुछ कंपनियों ने आज छुट्टी घोषित कर दी है। गेट पर नोटिस लगा है कि आज कंपनी बंद रहेगी। कल के लिए सूचना पहले से दी जाएगी। गौतम बुद्ध नगर की डीएम

मेधा रुपम ने साफ कहा है कि अगर कोई आउटसोर्सिंग एजेंसी या उसका कर्मचारी उपद्रव में शामिल हुआ, तो एजेंसी की भी जिम्मेदारी तय होगी। ऐसी एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और लाइसेंस रद्द हो सकता है।

दरअसल, दो दिन पहले यानी सोमवार को नोएडा के इंडस्ट्रियल एरिया में मजदूरों ने सैलरी हाइक की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। हरियाणा में हाल ही में 35% वेतन वृद्धि के ऐलान के बाद वढ के मजदूरों में आक्रोश था। प्रदर्शन जल्दी ही हिंसक हो गया। पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। हजारों मजदूर सड़कों पर उतरे। यूपी सरकार ने तुरंत 21% अंतरिम वेतन वृद्धि का ऐलान कर स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन सोशल मीडिया पर अफवाहों ने आग को और भड़का दिया।

FIR का मामलाः RJD प्रवक्ताओं पर भ्रामक वीडियो शेयर करने का आरोप

नोएडा पुलिस ने अब साइबर क्राइम ब्रांच के जरिए एक्शन लिया है। RJD की नेशनल स्पोक्सपर्सन कंचना यादव और प्रियंका भारती पर आरोप है कि उन्होंने सुनियोजित तरीके से गलत वीडियो और भड़काऊ पोस्ट शेयर किए। पुलिस का कहना है कि इन पोस्ट्स से न सिर्फ मजदूरों में गुस्सा बढ़ा, बल्कि पुलिस की छवि को भी नुकसान पहुंचाया गया।

यह केस सिर्फ दो व्यक्तियों तक सीमित नहीं है। यह बड़े सवाल उठाता है कि क्या विपक्षी पार्टियां प्रदर्शनों को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही हैं? RJD बिहार आधारित पार्टी है, लेकिन उसके नेशनल स्पोक्सपर्सन UP के मुद्दे पर सक्रिय हो गए। सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप्स में दोनों ने मजदूरों की मांगों का समर्थन किया, लेकिन पुलिस के अनुसार कुछ वीडियो पुराने या संदर्भ से बाहर के थे, जो माहौल खराब करने के लिए इस्तेमाल किए गए।

आइए अब जानते हैं कि कौन हैं दोनों आरजेडी प्रवक्ता?

कंचना यादव फखऊ की राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की रिसर्च स्कॉलर रही हैं। लाइफ साइंसेज में PhD कर रही हैं और CSIR फेलो भी हैं। 2023 में तेजस्वी यादव की रणनीति के तहत उन्हें RJD ने युवा और पढ़े-लिखे चेहरे के रूप में प्रवक्ता बनाया।

टीवी डिबेट्स में कंचना अपनी तेज, आक्रामक और तथ्य-आधारित बहस के लिए मशहूर हैं। बिहार राजनीति में युवा महिला आवाज के रूप में उभरीं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और पार्टी लाइन को बिना झिझक रखती हैं। उनका बैकग्राउंड JNU की छात्र राजनीति से जुड़ा है, जहां उन्होंने फीस वृद्धि जैसे मुद्दों पर आंदोलन भी किया। RJD के लिए वे 'नई पीढ़ी' का प्रतीक हैं।

प्रियंका भारती भी RJD की नेशनल स्पोक्सपर्सन हैं। वे JNU से ही ढँऊ कर रही हैं, उनका विषय जर्मन भाषा और स्टडीज रहा है। 2023 में कंचना के साथ ही उन्हें प्रवक्ता बनाया गया। तेजस्वी यादव की टीम ने इन्हें पार्टी की युवा, शिक्षित और बहुजन छवि बनाने के लिए चुना।

प्रियंका टीवी डिबेट्स में तर्क, डेटा और तेज जवाबों के लिए जानी जाती हैं। सोशल जस्टिस, संविधान और बहुजन मुद्दों पर खुलकर बोलती हैं। उन्होंने मनुस्मृति जैसे विवादित मुद्दों पर भी अपनी स्टैंड ली है, जिसके चलते FIR भी हुई थी। RJD के 'फायरब्रांड महिला चेहरों' में दोनों का नाम सबसे ऊपर आता है।

RJD को पहले ग्रामीण और यादव-मुस्लिम आधार वाली पार्टी माना जाता था। 2023 से तेजस्वी यादव ने पार्टी को नया रूप देने की कोशिश की। JNU, DU जैसे संस्थानों से युवा, पढ़े-लिखे चेहरे लाए गए। कंचना और प्रियंका इसी बदलाव की मिसाल हैं। दोनों टीवी डिबेट में बड़े एंकरों और इखढ नेताओं से सीधी भिOÞXÔत करती हैं। उनके वायरल क्लिप्स सोशल मीडिया पर लाखों बार देखे जाते हैं।

बिहार चुनाव से पहले यह रणनीति RJD को 'आधुनिक और आक्रामक' दिखाने में काम आई। लेकिन UP जैसे मुद्दों पर इनकी सक्रियता से सवाल उठ रहे हैं कि क्या फखऊ अब ठउफ के श्रमिक आंदोलनों में भी दखल दे रही है?